भजन

तर्ज...सैयां निकस गये मैं ना लड़ी..

परमधाम की रहने वाली, माया ये दिल में कैसी भरी थी
रोका पिया ने जिद क्यूँ करी थी, इश्क में तेरे मैं तो डूबी हुई थी
पिया ऐसी हुई क्यूँ भूल, तेरी रूहें तुझसे पूछे आज

1) तन तेरे हम हैं नहीं कोई और, नजरों ही नजरों में हुआ कैसा फेर
इश्क नजर में ऐसी क्यूँ भरी थी, नजरों ही नजरों से दिल में भरी थी

2.) अपने पिया को अब हम रिझायें,काम करें सोई पिया मन भाए
सुध मोहे आई पिया जान गई मैं, तूने जगाई निसबत तेरी थी
पिया जान गई तुमको,मैं तो निसबत हूँ तेरी

3) निसबत के सुख तुमने बताये, तेरी थी तुमने आप दिखाए
जो सुख अपने मैं भूली हुई थी, याद दिलाए पिया मैं तेरी थी